NORTH POINT SENIOR SECONDARY BOARDING SCHOOL
WORKSHEET
CLASS - IX
HINDI

खंड 'ग'

दो बैलों की कथा (प्रेमचंद)

अभ्यास-कार्य—15

नाम.....	कक्षा.....	अनुक्रमांक.....	समय 20 मिनट	अधिकतम अंक 10	प्राप्तांक

पाठ का सार

प्रेमचंद द्वारा रचित 'दो बैलों की कथा' एक ऐसी भावात्मक कथा है, जो प्रत्यक्ष रूप में तो हीरा और मोती नामक दो बैलों से जुड़ी है, किंतु परोक्ष रूप में 'बिना संघर्ष के स्वाधीनता संभव नहीं है'—का संदेश देती है।

गधे को सबसे अधिक अहिंसक, शांत और सीधे-सरल स्वभाव का होने के कारण 'बुद्धिहीन', 'बेवकूफ़' आदि की संज्ञा दी जाती है। शायद इसी सीधेपन के कारण जो दुर्दशा गधे की होती है, अफ्रीका में वही दुर्दशा भारतवासियों की हो रही है। यदि वे भी हर अपमान को चुपचाप न सहकर ईंट का जवाब पत्थर से देना जानते, तो संसार उन्हें भी शायद जापान की तरह सिर-आँखों पर बिठाकर रखता।

इन्हीं सद्गुणों से युक्त प्राणियों में गधे के बाद दूसरा स्थान बैल का आता है। किंतु बैल को बिल्कुल सीधा भी नहीं कहा जा सकता क्योंकि असंतुष्ट होने पर वह मारता भी है और अड़ियल भी हो जाता है। झूरी नामक किसान के पास देखने में सुंदर, काम में चौकस और ऊँचे डील-डौल वाले हीरा और मोती नाम के ऐसे ही दो बैल थे। ये दोनों एक-दूसरे के सच्चे साथी थे—कभी चाटकर, कभी सूँघकर और कभी सींग मिलाकर दोनों एक-दूसरे के प्रति अपना स्नेह प्रकट करते थे।

एक बार झूरी का साला गया उन्हें अपने गाँव ले गया, किंतु उन्हें अपने घर तक ले जाने में उसे दाँतों पसीना आ गया। नया घर, नया गाँव, नए आदमी किंतु सभी पराए थे। परिणाम यह हुआ कि अवसर पाकर दोनों बैल रस्सियाँ तोड़कर भाग निकले।

प्रातः झूरी जब सोकर उठा तो उसने दोनों बैलों को अपने द्वार पर खड़ा पाया। झूरी ने दौड़कर उनका प्रेमालिंगन किया। गाँवभर में उन बैलों के लौट आने पर प्रसन्नता छा गई, किंतु झूरी की पत्नी ने हीरा और मोती को दंडस्वरूप भोजन में सूखे भूसे के अतिरिक्त कुछ न दिया।

अगले दिन झूरी का साला फिर आ गया और इस बार दोनों बैलों को गाड़ी में जोतकर ले गया। घर पहुँचकर उसने दोनों बैलों को मोटी-मोटी रस्सियों से बाँध दिया और खाने को सूखा भूसा दिया। दूसरे दिन उसने दोनों बैलों को हल में जोता। गया उन्हें मारते-मारते थक गया किंतु दोनों ने पाँव न उठाया। गया से निर्दयतापूर्वक हीरा को पिटते देख, मोती बेकाबू हो गया और हल लेकर भागा। हल, रस्सी सब टूटकर बिखर गए। किंतु गाँव के कुछ लोगों की सहायता से गया ने उन्हें फिर पकड़ लिया।

गया के परिवार में एक छोटी-सी लड़की थी, जिसके पिता का नाम भैरो था। उसकी माँ मर चुकी थी। उसकी सौतेली माँ उसे मारती रहती थी। यही लड़की इन भूखे बैलों को आते-जाते रोटी खिला जाती थी।

एक रात जब वही लड़की उन्हें रोटियाँ खिलाकर चली गई तो वे दोनों मोटी रस्सियों को चबाकर कमज़ोर करने लगे। तभी वह लड़की आई और उसने उन दोनों की रस्सियाँ खोल दीं। फिर वह शोर मचाने लगी—बैल भाग गए, बैल भाग गए। दोनों बैलों को भागने का अवसर मिल गया, किंतु वे मार्ग भूल गए। रास्ते में मटर के खेत मिले। दोनों ने पेट भरकर खाया। इतने में हाथी के आकार का एक साँड़ उनसे भिड़ने आ गया तो उन्होंने उसे मारकर भगा दिया।

वे फिर मटर के खेत में घुस गए और पकड़े गए। उन्हें काँजीहौस में बंद कर दिया गया। काँजीहौस में खाने को एक तिनका भी न मिला। भूखों मरने की नौबत आ गई। उन्होंने वहाँ से भाग निकलने का उपाय निकाला। उन्होंने एक रात सींगों के प्रहार से काँजीहौस की कच्ची दीवार को गिरा दिया और वहाँ बंद सभी जानवरों को आज़ाद कर दिया। किंतु हीरा के बँधे होने के कारण मोती उसे छोड़कर अकेला नहीं भागा। वह वहीं रहा। भोर होते ही कर्मचारियों और चौकीदार में खलबली मच गई। मोती की खूब मरम्मत हुई। एक हफ्ते तक वे भूखे-प्यासे वहीं बँधे रहे। फिर एक दिन उन्हें नीलामी के लिए निकाला गया। उनकी देखभाल होने लगी। लेकिन ऐसे मरियल बैलों का कोई खरीदार नहीं था। सहसा एक दढ़ियल जो कसाई था उन्हें खरीदकर ले चला। दोनों काँपते-डरते उसके साथ चल दिए। सहसा दोनों को वह मार्ग जिस पर वे जा रहे थे परिचित-सा दिखाई दिया। उन्हें याद आया कि इसी रास्ते से गया उन्हें ले गया था। उनकी सारी थकान और दुर्बलता गायब हो गई। जैसे ही उनका घर समीप आया दोनों उछाल भरते हुए घर की ओर भागे और घर के द्वार पर बैठे झूरी के सामने जा खड़े हुए। दढ़ियल भी उन्हें लेने वहाँ पहुँचा किंतु झूरी के विरोध और मोती के आक्रमण से वह डरकर भाग खड़ा हुआ।

झूरी ने स्नेह से उन पर हाथ फेरा। थोड़ी ही देर में नाँदों में खली, भूसा, चोकर और दाना भर दिया गया और दोनों मित्र खाने लगे। पूरे गाँव में उत्साह-सा छा गया। उसी समय झूरी की पत्नी ने भी आकर दोनों बैलों के माथे चूम लिए।

Scanned with CamScanner

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए।

गधे को कभी क्रोध करते नहीं सुना, न देखा। जितना चाहो गरीब को मारो, चाहे जैसी खराब, सड़ी हुई घास सामने डाल दो, उसके चेहरे पर कभी असंतोष की छाया भी न दिखाई देगी। वैशाख में चाहे एकाध बार कुलेल कर लेता हो; पर हमने तो उसे कभी खुश होते नहीं देखा। उसके चेहरे पर एक स्थायी विषाद स्थायी रूप से छाया रहता है। सुख-दुख, हानि-लाभ, किसी भी दशा में उसे बदलते नहीं देखा। ऋषियों-मुनियों के जितने गुण हैं, वे सभी उसमें पराकाष्ठा को पहुँच गए हैं; पर आदमी उसे बेवकूफ़ कहता है। सद्गुणों का इतना अनादर कहीं नहीं देखा। कदाचित सीधापन संसार के लिए उपयुक्त नहीं है।

1. **किसे कभी खुश होते नहीं देखा ?** 1
   (क) शेर को (ख) बैल को
   (ग) गधे को (घ) गाय को

2. **गधा किस महीने में उछल-कूद करता है ?** 1
   (क) चैत्र (ख) फाल्गुन
   (ग) श्रावण (घ) वैशाख

3. **गधे का स्वभाव किस विशेषता के कारण अन्य पशुओं से भिन्न है ?** 1
   (क) सहनशीलता (ख) बुद्धिमत्ता
   (ग) मूर्खता (घ) उदासीनता

4. **मनुष्य किसे मूर्ख कहता है ?** 1
   (क) बैल को (ख) गधे को
   (ग) भैंस को (घ) कुत्ते को

5. **आज संसार के लिए क्या उपयुक्त नहीं है ?** 1
   (क) चालाकी (ख) मूर्खता
   (ग) सीधापन (घ) नासमझी

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए।

दोनों आमने-सामने या आस-पास बैठे हुए एक-दूसरे से मूक-भाषा में विचार-विनिमय करते थे। एक, दूसरे के मन की बात कैसे समझ जाता था, हम नहीं कह सकते। अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है। दोनों एक-दूसरे को चाटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते, कभी-कभी दोनों सींग भी मिला लिया करते थे—विग्रह के नाते से नहीं, केवल विनोद के भाव से, आत्मीयता के भाव से, जैसे दोस्तों में घनिष्ठता होते ही धौल-धप्पा होने लगता है। इसके बिना दोस्ती कुछ फुसफुसी, कुछ हल्की-सी रहती है, जिस पर ज़्यादा विश्वास नहीं किया जा सकता। जिस वक्त ये दोनों बैल हल या गाड़ी में जोत दिए जाते और गरदन हिला-हिलाकर चलते, उस वक्त हर एक की यही चेष्टा होती थी कि ज़्यादा-से-ज़्यादा बोझ मेरी ही गरदन पर रहे। दिन-भर के बाद दोपहर या संध्या को दोनों खुलते, तो एक-दूसरे को चाट-चूटकर अपनी थकान मिटा लिया करते।

1. **गद्यांश में दोनों शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?** 1
   (क) मनुष्यों के (ख) बैलों के
   (ग) गधों के (घ) घोड़ों के

2. **दोनों बैल किस भाषा में विचार-विनिमय करते थे ?** 1
   (क) बोलचाल की भाषा मे (ख) मूक-भाषा में
   (ग) काव्य की भाषा में (घ) हिंदी भाषा में

3. **'विग्रह' शब्द का अर्थ बताइए :** 1
   (क) प्रेम (ख) दोस्ती
   (ग) झगड़ा (घ) अलगाव

4. **दोनों बैल अपना प्रेम किस प्रकार प्रकट करते थे ?** 1
   (क) एक साथ बैठकर (ख) फुसफुसाकर
   (ग) मूक-भाषा में (घ) चाट और सूँघकर

5. **किसके बिना दोस्ती फुसफुसी और हल्की-सी लगती है ?** 1
   (क) ईर्ष्या-द्वेष के बिना (ख) लड़ाई-झगड़े के बिना
   (ग) धौल-धप्पा के बिना (घ) आत्मीयता के बिना

Scanned with CamScanner

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए।

संयोग की बात, झूरी ने एक बार गोई को ससुराल भेज दिया। बैलों को क्या मालूम, वे क्यों भेजे जा रहे हैं। समझे, मालिक ने हमें बेच दिया। अपना यों बेचा जाना उन्हें अच्छा लगा या बुरा, कौन जाने, पर झूरी के साले गया को घर तक गोई ले जाने में दाँतों पसीना आ गया। पीछे से हाँकता तो दोनों दाएँ-बाएँ भागते, पगहिया पकड़कर आगे से खींचता, तो दोनों पीछे को ज़ोर लगाते। मारता तो दोनों सींग नीचे करके हुँकारते। अगर ईश्वर ने उन्हें वाणी दी होती, तो झूरी से पूछते—तुम हम गरीबों को क्यों निकाल रहे हो? हमने तो तुम्हारी सेवा में कोई कसर नहीं उठा रखी।

1. **झूरी ने किसे ससुराल भेज दिया?** 1

(क) बैलों की जोड़ी को (ख) ऊँटों को

(ग) गायों को (घ) गधों को

2. **पीछे से हाँकने पर दोनों क्या करते?** 1

(क) आगे-पीछे भागते (ख) हुँकारते

(ग) दाएँ-बाएँ भागते (घ) रस्सी तोड़ देते

3. **दोनों बैल सींग नीचे करके कब हुँकारते थे?** 1

(क) जब गया बैलों को पुचकारता (ख) जब गया पीछे से हाँकता

(ग) जब गया आगे से खींचता (घ) जब गया मारता

4. **झूरी ने बैलों को ससुराल किसके साथ भेजा?** 1

(क) साले के साथ (ख) नौकर के साथ

(ग) ग्वाले के साथ (घ) पिता के साथ

5. **'गोई' का अर्थ लिखिए:** 1

(क) बैल (ख) जोड़ी

(ग) कमज़ोर (घ) साथी

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए।

आज दोनों के सामने फिर वही सूखा भूसा लाया गया। दोनों चुपचाप खड़े रहे। घर के लोग भोजन करने लगे। उस वक्त छोटी-सी लड़की दो रोटि लिए निकली, और दोनों के मुँह में देकर चली गई। उस एक रोटी से इनकी भूख तो क्या शांत होती; पर दोनों के हृदय को मानो भोजन मिल गय यहाँ भी किसी सज्जन का वास है। लड़की भैरो की थी। उसकी माँ मर चुकी थी। सौतेली माँ उसे मारती रहती थी, इसलिए इन बैलों से उसे एक प्रक की आत्मीयता हो गई थी।

1. **दोनों बैलों के सामने क्या लाया गया?**

(क) हरी घास (ख) सूखा भूसा

(ग) ताजी रोटियाँ (घ) हरा चारा

Scanned with CamScanner

2. **बैलों को रोटियाँ किसने खिलाईं?**

(क) भैरो ने (ख) झूरी ने 1

(ग) छोटी लड़की ने (घ) सौतेली माँ ने

3. **छोटी लड़की किसकी थी?**

(क) भैरो की (ख) गया की 1

(ग) झूरी की (घ) पड़ोसी की

4. **सौतेली माँ लड़की से कैसा व्यवहार करती थी?**

(क) पुचकारती थी (ख) दुत्कारती थी 1

(ग) सहानुभूति दिखाती थी (घ) मारती थी

5. **लड़की के मन में बैलों के प्रति कैसी भावना थी?**

(क) नाराज़गी की (ख) उदासी की 1

(ग) आत्मीयता की (घ) दया की

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

प्रात:काल दोनों मित्र काँजीहौस में बंद कर दिए गए। दोनों मित्रों को जीवन में पहली बार ऐसा साबिका पड़ा कि सारा दिन बीत गया और खाने को एक तिनका भी न मिला। समझ ही में न आता था, यह कैसा स्वामी है। इससे तो गया फिर भी अच्छा था। यहाँ कई भैंसें थीं, कई बकरियाँ, कई घोड़े, कई गधे; पर किसी के सामने चारा न था, सब ज़मीन पर मुरदों की तरह पड़े थे। कई तो इतने कमज़ोर हो गए थे कि खड़े भी न हो सकते थे। सारा दिन दोनों मित्र फाटक की ओर टकटकी लगाए ताकते रहे; पर कोई चारा लेकर आता न दिखाई दिया। तब दोनों ने दीवार की नमकीन मिट्टी चाटनी शुरू की, पर इससे क्या तृप्ति होती?

1. **हीरा-मोती को कहाँ बंद किया गया? वहाँ और कौन-कौन से पशु थे?**

उत्तर 2

.....

2. **काँजीहौस में पशुओं की स्थिति कैसी थी?**

उत्तर 2

.....

.....

3. **हीरा-मोती ने भूख शांत करने के लिए क्या किया?**

उत्तर 1

.....

Scanned with CamScanner

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

जानवरों में गधा सबसे ज्यादा बुद्धिहीन समझा जाता है। हम जब किसी आदमी को पाले दरजे का बेवकूफ कहना चाहते हैं, तो उसे गधा कहते हैं। गधा सचमुच बेवकूफ है, या उसके सीधेपन, उसकी निरापद सहिष्णुता ने उसे यह पदवी दे दी है, इसका निश्चय नहीं किया जा सकता। गायें सींग मारती हैं, ब्याही हुई गाय तो अनायास ही सिंहनी का रूप धारण कर लेती है। कुत्ता भी बहुत गरीब जानवर है, लेकिन कभी-कभी उसे भी क्रोध आ ही जाता है; किंतु गधे को कभी क्रोध करते नहीं सुना, न देखा।

1. गधा कैसे व्यक्ति को कहा जाता है ? 1

उत्तर .....

.....

2. गधे की किस विशेषता के कारण उसे यह पदवी दी गई है ? 2

उत्तर .....

.....

.....

3. गाय और कुत्ता गधे से किस प्रकार भिन्न हैं ? 2

उत्तर .....

.....

.....

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

झूरी की स्त्री ने बैलों को द्वार पर देखा, तो जल उठी। बोली—कैसे नमकहराम बैल हैं कि एक दिन वहाँ काम न किया; भाग खड़े हुए।

झूरी अपने बैलों पर यह आक्षेप न सुन सका। बोला—नमकहराम क्यों हैं ? चारा-दाना न दिया होगा, तो क्या करते ?

स्त्री ने रोब के साथ कहा—बस, तुम्हीं तो बैलों को खिलाना जानते हो, और तो सभी पानी पिला-पिलाकर रखते हैं।

झूरी ने चिढ़ाया—चारा मिलता तो क्यों भागते ?

स्त्री चिढ़ी—भागे इसलिए कि वे लोग तुम-जैसे बुद्धुओं की तरह बैलों को सहलाते नहीं। खिलाते हैं, तो रगड़कर जोतते भी हैं। ये दोनों ठहरे कामचोर, भाग निकले। अब देखूँ, कहाँ से खली और चोकर मिलता है ! सूखे भूसे के सिवा कुछ न दूँगी, खाएँ चाहे मरें।

1. झूरी की पत्नी क्यों जल उठी ? उसने बैलों पर क्या आक्षेप लगाए ? 2

उत्तर .....

.....

.....

.....

Scanned with CamScanner

2. झूरी और उसकी पत्नी में झड़प क्यों हुई ? 1

उत्तर .....

.....

.....

3. झुरी की पत्नी ने झूरी को बुद्धू क्यों कहा ? झूरी की पत्नी ने क्या निर्णय लिया ? 2

उत्तर .....

.....

.....

.....

.....

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

सहसा घर का द्वार खुला और वही लड़की निकली। दोनों सिर झुकाकर उसका हाथ चाटने लगे। दोनों की पूँछें खड़ी हो गईं। उसने उनके माथे सहलाए और बोली—खोले देती हूँ। चुपके से भाग जाओ, नहीं तो यहाँ लोग मार डालेंगे। आज घर में सलाह हो रही है कि इनकी नाकों में नाथ डाल दी जाए।
उसने गराँव खोल दिया, पर दोनों चुपचाप खड़े रहे।
मोती ने अपनी भाषा में पूछा—अब चलते क्यों नहीं ?
हीरा ने कहा—चलें तो लेकिन कल इस अनाथ पर आफत आएगी। सब इसी पर संदेह करेंगे। सहसा बालिका चिल्लाई—दोनों फूफावाले बैल भागे जा रहे हैं। ओ दादा! दादा! दोनों बैल भागे जा रहे हैं, जल्दी दौड़ो।

1. हीरा-मोती ने लड़की के प्रति अपना प्रेम कैसे व्यक्त किया ? 1

उत्तर .....

.....

2. लड़की ने बैलों को क्यों खोल दिया ? 2

उत्तर .....

.....

.....

.....

3. बैलों को भागते न देखकर लड़की ने क्या किया ? 2

उत्तर .....

.....

.....

.....

❑❑

Scanned with CamScanner

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

एक दिन बाड़े के सामने डुग्गी बजने लगी और दोपहर होते-होते वहाँ पचास-साठ आदमी जमा हो गए। तब दोनों मित्र निकाले गए और उनकी देखभाल होने लगी। लोग आ-आकर उनकी सूरत देखते और मन फीका करके चले जाते। ऐसे मृतक बैलों का कौन खरीदार होता?
सहसा एक दढ़ियल आदमी, जिसकी आँखें लाल थीं और मुद्रा अत्यंत कठोर, आया और दोनों मित्रों के कूल्हों में उँगली गोदकर मुंशी जी से बातें करने लगा। उसका चेहरा देखकर अंतर्ज्ञान से दोनों मित्रों के दिल काँप उठे। वह कौन है और उन्हें क्यों टटोल रहा है, इस विषय में उन्हें कोई संदेह न हुआ। दोनों ने एक-दूसरे को भीत नेत्रों से देखा और सिर झुका लिया।

1. **बाड़े के सामने डुग्गी क्यों पिटने लगी?** 1

उत्तर .....

.....

.....

2. **दोनों बैलों को देखकर लोग मन फीका करके क्यों चले जाते?** 2

उत्तर .....

.....

.....

.....

.....

3. **'अंतर्ज्ञान' का अर्थ स्पष्ट कीजिए और बताइए कि दोनों को किस प्रकार का संदेह न रहा?** 2

उत्तर .....

.....

.....

.....

.....

Scanned with CamScanner

.....

.....

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

देखिए न, भारतवासियों की अफ्रीका में क्या दुर्दशा हो रही है ? क्यों अमरीका में उन्हें घुसने नहीं दिया जाता ? बेचारे शराब नहीं पीते, चार पैसे कुसमय के लिए बचाकर रखते हैं, जी तोड़कर काम करते हैं, किसी से लड़ाई-झगड़ा नहीं करते, चार बातें सुनकर गम खा जाते हैं फिर भी बदनाम हैं। कहा जाता है, वे जीवन के आदर्श को नीचा करते हैं। अगर वे भी ईंट का जवाब पत्थर से देना सीख जाते, तो शायद सभ्य कहलाने लगते। जापान की मिसाल सामने है। एक ही विजय ने उसे संसार की सभ्य जातियों में गण्य बना दिया।

1. **कोई मनुष्य कब सभ्य कहलाता है ?** 1

उत्तर .....

.....

.....

2. **अफ्रीका और अमरीका में भारतीयों की दुर्दशा के असली कारण क्या हैं ?** 2

उत्तर .....

.....

.....

.....

.....

3. **गद्यांश में भारतीयों की किन-किन विशेषताओं का वर्णन किया गया है ?** 2

उत्तर .....

.....

.....

.....

.....

.....

❑❑

Scanned with CamScanner

निम्नलिखित प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखिए।

1. हीरा और मोती ने अपनी मित्रता किस प्रकार निभाई? 2

उत्तर ....

2. 'उस एक रोटी से इनकी भूख तो क्या शांत होती; पर दोनों के हृदय को मानो भोजन मिल गया'—कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

उत्तर ....

3. किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधों को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है? 2

उत्तर ....

Scanned with CamScanner

4. काँजीहौस में कैद पशुओं की हाज़िरी क्यों ली जाती होगी?

त्तर

5. हीरा और मोती गया के घर से क्यों भाग गए? उसके घर से भाग आने पर उनका स्वागत कैसा हुआ और क्यों?

र

Scanned with CamScanner